सोफिया दहिया और अनिल चौधरी अब मिलकर चलाएंगे हरियाणा की ट्रेड फेयर अथॉरिटी!

दोनों की नियुक्ति के लिए सरकारी नियम तोड़े गए, सरकार पर वित्तीय बोझ बढ़ा

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबाद: ट्रेड फेयर अथॉरिटी आफ हरियाणा (दिल्ली मुख्यालय) में नियुक्तियों को लेकर काफी गड़बड़ियां सामने आ रही हैं। इस संबंध में हाल ही में मुख्यमंत्री, चीफ सेक्रेटरी और डीजी विजिलेंस को तमाम तथ्यों के साथ शिकायत भेजी गई है। सरकार को भेजी गई शिकायतों से पता चलता है कि हरियाणा उद्योग विभाग से रिटायर हो चुके अनिल कुमार चौधरी को सीनियर मैनेजर पद पर सारे नियम तोड़कर नियुक्त किया गया। इसी तरह अब अथॉरिटी में प्रशासक और जनरल मैनेजर पद पर सोफिया दहिया को लाया जा रहा है। सोफिया दहिया इन पदों को संभालने के बाद सीधे अनिल कुमार चौधरी की बॉस बन जाएंगी और इस तरह अथॉरिटी में वो सब कुछ होगा, जो अब तक नहीं हुआ था।

सीएम को जिन तथ्यों से अवगत कराया गया है, उसके मुताबिक ट्रेड फेयर अथॉरिटी में मूल रूप से मल्टीफंक्शनल एग्जीक्यूटिव की पोस्ट मंजूर की गई थी। लेकिन 10 वर्षों बाद 2018 में अथॉरिटी की बैठक में इस पोस्ट का पद नाम एक्सपर्ट कर दिया गया। अक्टूबर 2018 में इस पोस्ट का विज्ञापन निकाला गया। दो लोगों ने अप्लाई किया, लेकिन उन्हें पद के अनुकूल नहीं पाया गया। इसके बाद फिर इस पद का नाम एक्सपर्ट से बदलकर सीनियर मैनेजर कर दिया गया। जब यह बदलाव हुआ तो उस समय अनिल कुमार चौधरी ट्रेड फेयर अथॉरिटी आफ हरियाणा में जीएम थे। लेकिन उनके पास मूल रूप से फरीदाबाद में उद्योग विभाग के ज्वाइंट डायरेक्टर और जिला रजिस्ट्रार फरीदाबाद का पद था। फरीदाबाद में जो इन पदों पर होता है, उसको ही ट्रेड फेयर का जीएम बनाया जाता है।

अब इस खेल को समझिए। अनिल कुमार चौधरी फरवरी 2021 में रिटायर हो गए लेकिन उन्होंने हरियाणा ट्रेड फेयर अथॉरिटी में वह जीएम बने रहे। फरीदाबाद में नए ज्वाइंट डायरेक्टर, जिला रजिस्ट्रार आई.एस. यादव आ गए। वह अथॉरिटी के नियमों के तहत दिल्ली में जीएम का चार्ज लेने गए तो अनिल चौधरी ने चार्ज देने से मना कर दिया। अब अनिल चौधरी के लिए मुसीबत यह है कि उसका कार्यकाल सितम्बर में खत्म होने वाला है। ऐसे में अगर फरीदाबाद में जिला रजिस्ट्रार और ज्वाइंट डायरेक्टर के पद पर कोई अधिकार रहता तो अनिल चौधरी के रिटायरमेंट के बाद वो सीधे जीएम का पद संभाल लेता।

आरोप है कि अनिल चौधरी ने गुड़गांव की कुछ सोसाइटियों से शिकायत कराकर आई. एस. यादव को निलंबित करा दिया। फरीदाबाद में पोस्ट खाली हो गई। इसके साथ ही उधर दिल्ली में हरियाणा ट्रेड फेयर अथॉरिटी में सोफिया दहिया को प्रशासक और जीएम बनाने की गोटी बिछा दी गई।

सोफिया दहिया की पहुंच कम नहीं

दिल्ली में ट्रेड फेयर अथॉरिटी आफ हरियाणा का प्रशासक हरियाणा भवन का रेजीडेंट कमिश्नर और चेयरमैन चीफ सेक्रेटरी हरियाणा होते हैं। लेकिन इसी महीने एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में रेजीडेंट कमिश्नर जी. अनुपमा को अथॉरिटी के प्रशासक पद से हटा दिया गया। वह अब सिर्फ रेजीडेंट कमिश्नर हैं। तथ्यों के विश्लेषण और घटनाक्रम से पता चलता है कि सोफिया दहिया को ट्रेड फेयर अथॉरिटी का प्रशासक बनाने के लिए यह सब किया गया।

सोफिया दहिया केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय में थीं। उन्हें एक खास जातिवादी लॉबी 2019 में हरियाणा सरकार के वित्त विभाग में सलाहकार बनाकर लाई। उनका डेपुटेशन दो साल के लिए था, जो अब खत्म होने को है। नियमानुसार डेपुटेशन खत्म होने के बाद उन्हें वापस केन्द्र सरकार में अपनी मूल पोस्ट पर लौट जाना चाहिए। लेकिन उसी लॉबी की बदौलत सोफिया अब ट्रेड फेयर अथॉरिटी की प्रशासक और जीएम बन गई हैं। अभी यह साफ नहीं है कि हरियाणा सरकार उनका डेपुटेशन बढ़ाएगी या केन्द्र से सलाह मांगेंगी, लेकिन नया पद उन्हें सौंप दिया गया है।

उधर, अनिल कुमार चौधरी जो अभी तक इस पद पर रिटायर होने के बावजूद बना हुआ है, वह सीनियर मैनेजर बन गया और सोफिया दहिया उसकी बॉस बन गई हैं। अनिल कुमार चौधरी ने अपने लिए सीनियर मैनेजर का पद पहले ही बनवा लिया था और नियुक्ति भी ले ली है। जैसा ऊपर बताया जा चुका है कि यह सीनियर मैनेजर का मूल पद मल्टीफंक्शनल एग्जीक्यूटिव का था, जिसे बदलकर एक्सपर्ट किया गया और फिर एक्सपर्ट पद का नाम बदलकर सीनियर मैनेजर कर दिया। अब यह जानना दिलचस्प है कि सीनियर मैनेजर का पद बनाने और उसमें अनिल कुमार चौधरी को एडजस्ट करने के लिए क्या-क्या नियम तोड़े गए और धांधली की गई।

अनिल चौधरी

अनिल चौधरी के लिए ये खेल हुआ

2008 में अथॉरिटी में मल्टी फंक्शनल एग्जीक्यूटिव का पद था। जिसे 2018 में एक्सपर्ट पदनाम कर दिया गया और 2020 में इस पद को सीनियर मैनेजर के रूप में बदलते हुए 15 सितम्बर 2020 को अखबारों में विज्ञापन दिया गया कि सीनियर मैनेजर पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन के लिए सिर्फ चार दिन का समय देते हुए 18 सितम्बर 2020 शाम 5 बजे तक आवेदन मांगे गए। कुल 16 आवेदन सरकार को मिले। 15 आवेदन खारिज कर दिए गए और सिर्फ एक आवेदन को सीनियर मैनेजर पद के योग्य पाया गया। जिस शख्स के आवेदन को इस पद के योग्य पाया गया, उसका नाम अनिल कुमार चौधरी है। कोरोना काल में जब लोग नौकरियों के लिए तरस रहे हों, उस समय अथॉरिटी में पहले से ही कार्यरत शख्स को बिना इंटरव्यू, टेस्ट और मेडिकल कराये सीनियर मैनेजर पद सौंप दिया गया।

अब देखिए, अनिल कुमार चौधरी जब फरीदाबाद में ज्वाइंट डायरेक्टर और जिला रजिस्ट्रार थे तो उससे रिटायर होने के बाद वो कोई पोस्ट एक साल तक नहीं ले सकते थे। हरियाणा सरकार का ये नियम है और इसे कूलिंग आफ पीरियड बोलते हैं।

और भी नियम तो टूटे

अनिल चौधरी के मामले में एक और बड़ा नियम टूटा। हालांकि यह स्थिति बता रही है कि अगर हरियाणा सरकार में आपकी लॉबी हो तो आप कुछ भी कर सकते हैं। ट्रेड फेयर अथॉरिटी के सीनियर मैनेजर अनिल कुमार चौधरी एक ही समय में चार-चार सोसाइटियों में प्रशासक और दिल्ली में सीनियर मैनेजर का पद कैसे संभाल सकते हैं। लेकिन अनिल कुमार चौधरी तो सुपरमैन बना हुआ है। अनिल के पास गुड़गांव-फरीदाबाद की चार-चार सोसाइटियों का प्रशासक का काम मिला हुआ है। इसका भी इंतजाम उन्होंने फरीदाबाद में जिला रजिस्ट्रार रहते हुए कर लिया था। लेकिन चार सोसाइटियों का प्रशासन संभालने के बाद अनिल कुमार चौधरी दिल्ली में हरियाणा ट्रेड फेयर अथॉरिटी के दो-दो दफ्तर संभालने भी जाते हैं। इस तरह अनिल चौधरी को चार सोसाइटियों के प्रशासक की सैलरी, भत्ता और फिर ट्रेड फेयर अथॉरिटी में भी सैलरी और भत्ता मिलता है। सरकारी पैसे की यह खुली लूट हरियाणा भवन में बैठने वाले रेजिडेंट कमिश्नर से लेकर चीफ सेक्रेटरी तक को पता है लेकिन पता नहीं क्यों सरकार को इस लूट की चिन्ता नहीं है। छोटा कर्मचारी अगर दस रुपये की भी चोरी कर ले तो उसे टांग दिया जाता है।

हालांकि सोफिया दहिया जब जीएम बनकर आ जाएंगी तो अनिल कुमार चौधरी के लिए सब कुछ ही नहीं बहुत कुछ आसान हो जाएगा। सोफिया तो नाम के लिए जीएम होंगी, अथॉरिटी का असली चार्ज तो अनिल के पास ही रहेगा।

ऐसे नहीं है कि अनिल कुमार चौधरी के खिलाफ जांच के आदेश नहीं हुए लेकिन उनके नतीजे हमेशा शून्य रहते हैं। 17 मार्च 2021 को विजिलेंस विभाग ने चीफ सेक्रेटरी को अनिल कुमार चौधरी के खिलाफ आई भ्रष्टाचार की शिकायतों की जांच के लिए लिखा। तमाम सोसाइटियों की शिकायतें भी चंडीगढ़ पहुंची हुई हैं जिन पर स्टेट रजिस्ट्रार दफ्तर में जांच चल रही है।

सोफिया और चौधरी का मिलन

ट्रेड फेयर अथॉरिटी हरियाणा के घटनाक्रम को देखते हुए निचोड़ यह निकल रहा है कि रिटायरमेंट के बावजूद अनिल कुमार चौधरी को किसी भी रूप में अथॉरिटी में बनाये रखने और सोफिया दहिया को अथॉरिटी का प्रशासक व जीएम बनाने की कड़ियां आपस में जुड़ती हैं। कहां तो अथॉरिटी का चेयरमैन पहले फरीदाबाद के ज्वाइंट डायरेक्टर इंडस्ट्रीज और जिला रजिस्ट्रार को बनाया जाता था। क्योंकि अथॉरिटी के नियमों में यह व्यवस्था आज भी दर्ज है। और कहां अब उस पद पर डेपुटेशन पर किसी को बैठाया जा रहा है, जिसके पास प्रशासक जैसा भी उच्च पद होगा। इस तरह सरकार को अब इस पद के लिए अलग पैसा, भत्ता और अन्य सुविधाएं देनी पड़ेंगी। जबकि पहले यह पद अतिरिक्त जिम्मेदारी का था तो सैलरी, भत्ता और सुविधाएं मूल विभाग की रहती थीं और सरकार का पैसा बचता था। बहुत जल्द सरकार को इस सवाल का जवाब देना पड़ेगा कि क्या अनिल कुमार चौधरी गुड़गांव-फरीदाबाद की सोसाइटियों में प्रशासक और ट्रेड फेयर अथॉरिटी में सीनियर मैनेजर का पद एकसाथ संभाल सकता है? क्या सोफिया दहिया का डेपुटेशन बढ़ाने के लिए केंद्र की अनुमति ली गई, सोफिया दहिया पर खर्च होने वाली सैलरी, भत्ता और अन्य सुविधाओं का बजट अथॉरिटी को मिलने वाले बजट से दिया जाएगा।

आभार-घोषणा

मैं कविता आभार के साथ घोषणा करती हूं कि मैने ललित कला के विषय की संकाय के तहत शोध, शीर्षक ''हरियाणा की बीसवीं सदी में चौपाल: टेम्परा-चित्र एवं वास्तु-शिल्प'' कार्य को पूरा किया है। कुमारी शीतल कादयान, छात्रा ललित कला विभाग, एम.डी.यू.रोहतक ने कुछ समय के लिये अपना कैमरा उधार दिया था। उस दौरान उपरोक्त शीतल कुमारी द्वारा कुछ छांयाकन शोध कार्य में प्रयोग किए गये। इस अकादमीय कार्य में इनकी इस अवैतनिक मदद के लिए मैं इस घोषणा के जरिए सार्वजनिक रूप से कुमारी शीतल कादयान का आभार व्यक्त करती हूं।

विनीत:

कविता

शोध-छात्रा

ललित कला विभाग, एम.डी.यू रोहतक

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें, कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ़ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें।

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. **प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड।**
2. **रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन**
3. **एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे।**
4. **जितेन्द्र, बाटा सेंटर - 9971064207**
5. **राम खिलावन-बल्लभगढ़ बस स्टैंड के सामने 9891164794**
6. **मोती पाहुजा - मिनार गेट पलवल, 9255029919**
7. **सुरेन्द्र बघेल - बस अड्डा होडल - 9991742421**

सहयोग के लिये सुधी पाठकों का धन्यवाद

'मज़दूर मोर्चा' की अपील का संज्ञान लेते हुए सुधी पाठकों ने जो आर्थिक सहयोग दिया एवं भविष्य में देते रहने का संकल्प किया है, उससे 'मज़दूर मोर्चा' आर्थिक संकट से काफ़ी हद तक उबर पाया है। दरअसल, बिक्री के दम पर चलने वाले इस साप्ताहिक पर कोरोना की मार काफ़ी भारी पड़ गयी। मार्च 2020 वाले लॉकडाउन तक जहां 4000 हजार प्रतियां बिकती थी, डेढ़ माह बंद रहने के बाद 400 प्रतियों से शुरू करके 1700 तक पहुंच पाये थे कि फ़िर लॉकडाउन ने वापस 1000 पर ला पटका। लेकिन अब धीरे-धीरे वापस बढ़ने लगे हैं। इतना ही नहीं इन दिनों न्यूज प्रिंट की कीमत भी 30 प्रतिशत बढ़ गयी।

लेकिन सुधी पाठकों ने जिस तरह से सहयोग देकर हमारा हौसला बढ़ाया है वह काबिले तारीफ़ तो है ही अनापेक्षित भी लगा। फ़रीदाबाद से बाहर के तो अनेक ऐसे पाठकों ने सहयोग दिया जिनको हम निजी तौर पर जानते-पहचानते भी नहीं। स्थानीय ग़रीब मज़दूर पाठकों ने खुद मिल कर 50-50 रुपये का योगदान देते हुए जिस लहजे में कहा कि मेहनतकश वर्ग की इस आवाज़ को किसी भी कीमत पर बंद नहीं होने देंगे, हमें भावुक कर दिया। इससे यह भरोसा पक्का हो गया है कि उद्योगपतियों व राजनेताओं की गोदी में बैठे बगैर, पाठकों के सहयोग से भी कोई अखबार चलाया जा सकता है।

सम्पादक मंडल

मज़दूर मोर्चा- खाता संख्या-451102010004150

IFSC Code : UBIN0545112

Union Bank of India, Sector-7, Faridabad

एनआईटी में धड़ल्ले से...

पेज एक का शेष

सीमा त्रिखा खेमा नए अधिकारी से खुश

नए ज्वाइंट कमिश्नर की कार्यप्रणाली से भाजपा विधायक सीमा त्रिखा के खेमे में खुशी का माहौल है। इन सीलों के हटने से साफ हो गया है कि नए ज्वाइंट कमिश्नर को इसी मकसद से लाया गया था ताकि एनआईटी में राजनीतिक लोगों को किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं आए। सूत्रों का कहना है कि नए ज्वाइंट कमिश्नर जितेन्द्र यादव की नियुक्ति के पीछे क्षेत्रीय विधायक सीमा त्रिखा का दिमाग है। जितेन्द्र यादव बडखल तहसील के एसडीएम रह चुके हैं। उस दौरान वह विधायक सीमा के बहुत नजदीक थे। जब उनका तबादला होने लगा तो सीमा ने जितेन्द्र यादव को फरीदाबाद में ही रखने का आग्रह सीएम से किया था। इसके बाद उन्हें हूडा में संपदा अधिकारी लगाया गया और अब सीमा की ही सलाह पर एमसीएफ में नया पद बनाकर उन्हें यहां लाया गया है। समझा जाता है कि ज्वाइंट कमिश्नर प्रशांत अटकान से छुटकारा पाने के लिए यह पूरा खेल हुआ। प्रशांत अटकान की भाजपा विधायक से बन नहीं रही थी और कई अवैध निर्माणों को हटाने-बचाने में दोनों आमने-सामने आए। दोनों का जनता के सामने भी टकराव हुआ। दोनों तरफ से पैसे के लेन-देन के आरोप लगे लेकिन सीमा त्रिखा ज्वाइंट कमिश्नर अटकान के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करा पाईं। अटकान अदालत से स्टे पर हैं। यही वजह है कि नए ज्वाइंट कमिश्नर का पद अस्थायी रखा गया है।